No. of Printed Pages : 4

IBO-05

18844

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2016

IBO-05 : INTERNATIONAL MARKETING LOGISTICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Weightage : 70%

Note : *Attempt **any five** questions. **All** questions carry **equal** marks.*

---

1. Traditionally, logistics is considered as 'the other half of marketing'. Explain the statement and state the reasons as to why it has gained special importance in the international trade. **6, 14**

2. Describe the major functions of Central Warehousing Corporation, and state the warehousing facilities it has established at port towns and other industrial cities in the hinterland. **10, 10**

3. "Overworked ports suffer from low level of productivity and have become costly from the users' point of view". Discuss this statement in relation to the working of Indian ports and state the constraints faced by them in providing efficient service to their users. **8, 12**

4. (a) Describe the working of Air India and the impact of allowing private operators on its functioning. **8, 12**

   (b) Outline the factors a shipper has to keep in mind while selecting a liner vessel.

5. What are the various ways in which a tramp may be chartered ? Explain their nature and state the distribution of responsibilities between ship owners and charterers under any one of them. **10, 10**

6. Describe the advantages of and disadvantages of containerisation to the shippers. Also state the precautions a shipper has to take while committing his goods to the containerised transport. **6, 6, 8**

7. (a) What is Bill of Lading ? Explain its main functions. **10, 10**

   (b) State briefly the role of International Chamber of Commerce in preventing maritime frauds.

8. Write short notes on **any two** of the following : **10, 10**

   (a) Liabilities of a carrier by sea

   (b) Trends in growth of sea borne trade

   (c) Principles Governing liner freight rate determination

   (d) UN Liner Code

आई.बी.ओ.-05

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

आई.बी.ओ.-05 : अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

***नोट : किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

---

1. परंपरानुसार भौतिक वितरण को 'विपणन का दूसरा आधा हिस्सा' माना जाता है। इस कथन की व्याख्या कीजिए तथा उन तथ्यों का उल्लेख कीजिए जिनके कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेष महत्त्व दिया जा रहा है। **6, 14**

2. केंद्रीय मालगोदाम निगम के मुख्य कार्यों का वर्णन कीजिए तथा उन मालगोदाम सुविधाओं का उल्लेख कीजिए जो इसके द्वारा बदंरगाह नगरों एवं अन्य औद्योगिक नगरों में स्थापित की है। **10, 10**

3. ''अत्यधिक कार्यशील बंदरगाहों को निम्नस्तरीय उत्पादकता का सामना करना पड़ता है और इस प्रकार वे उपयोगकर्त्ताओं की दृष्टि से महंगे साबित होते हैं''। भारतीय बंदरगाहों की कार्यशैली के संदर्भ में इस कथन का विवेचन कीजिए तथा उन बाधाओं का उल्लेख कीजिए जिनका इन्हें अपने-अपने उपयोगकर्त्ताओं को कुशल सेवा प्रदान करने में सामना करना पड़ रहा है। **8, 12**

4. (a) एयर इंडिया के कार्यचालन का वर्णन कीजिए तथा निजी प्रचालकों को अनुमति देने के फलस्वरूप उस पर पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख कीजिए। 8, 12

(b) एक लाइनर जहाज का चयन करते समय एक शिपर को जिन कारकों को ध्यान में रखना पड़ता है उनका उल्लेख कीजिए।

5. एक ट्रैम्प को चार्टर करने के विभिन्न रूप क्या हैं? उनकी प्रकृति की व्याख्या कीजिए तथा इनमें से किसी एक रूप के अंतर्गत जहाज मालिकों व चार्टररों के उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए। 10, 10

6. शिपरों तथा जहाज मालिकों को कन्टेनरीकरण से होनेवाले लाभों तथा हानियों का वर्णन कीजिए। उन सावधानियों का भी उल्लेख कीजिए जो कि एक शिपर को कंटरीकृत परिवहक को माल सौंपते समय बरतनी होती हैं। 6, 6, 8

7. (a) लदान बिल से क्या तात्पर्य है? इसके मुख्य कार्यों का उल्लेख कीजिए। 10, 10

(b) अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्य चैंबर (ICC) की समुद्री धोखाधाड़ियों की रोकथाम की भूमिका का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 10, 10

(a) समुद्र द्वारा माल के वाहकों के दायित्व

(b) समुद्री व्यापार के विकास की प्रवृत्ति

(c) लाइनर सेवा मूल्य निर्धारण के सिद्धांत

(d) यू.एन. लाइनर कोड